सूर्या फाउण्डेशन

SURYA FOUNDATION

आदर्श गाँव योजना

चयनित आदर्श गाँव
नगलावर – मथुरा (उ.प्र.)

- सूर्या संस्कार केन्द्र
- सूर्या यूथ क्लब
- सूर्या सिलाई केन्द्र
- ग्राम सेवा समिति
- स्व-सहायता समूह
- ग्राम गौरव मेला
- वृक्षारोपण महाअभियान
- तालाबों का गहरीकरण
- स्वास्थ्य शिविर
- पशु चिकित्सा शिविर
- गौआधारित जैविक कृषि

suryafoundation1 | suryafnd | surya_foundation | suryafoundation

website : www.suryafoundation.org

संदेश

चेयरमैन की कलम से..

पद्मश्री
–जयप्रकाश

मेरा गाँव, मेरा बड़ा परिवार

भारत गाँवों का देश है। आज भी लगभग तीन चौथाई जनसंख्या गाँवों में निवास करती है। अर्थव्यवस्था का केन्द्र गाँव ही है, खाद्यान्नों की निर्भरता गाँवों पर ही है। गाँव और जमीन पर तो निभरता बढ़ती ही जा रही है। गाँवों के विकास से मतलब गाँवों को शहरों में बदलना नहीं बल्कि गाँवों में सुविधाएँ बढाना है। गामवासियों के लिये कमाई, रोजगार के साधन, गाँव में ही उपलब्ध हो। वहाँ हर हाथ को काम हो और हर काम के लिये व्यक्ति उपलब्ध हो। गाँव स्वावलंबी बने। मुख्यत: हम चाहते हैं कि गाँव संस्कृति, आस्था और लोक-कलाओं के प्रमुख केन्द्र बनें।

सूर्या फाउण्डेशन की उपलब्धियाँ

✓ पिछले 25 वर्षों में 2 लाख युवाओं के आवासीय व्यक्तित्व विकास शिविर– PDC

✓ देश में सरकारी तंत्र की कार्यशैली को ठीक करने के लिए वर्ष 2002 में सत्याग्रह।

✓ सन् 2006 में INO Big Programme जिसमें 3000 नैचुरोपैथी चिकित्सकों ने भाग लिया।

✓ 18 नवम्बर 2019, नैचुरोपैथी दिवस के दिन 702 लोगों को एक साथ, मिट्टी स्नान कराकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।

✓ पिछले तीन वर्षों में वृक्षारोपण महाअभियान के अन्तर्गत 18 राज्यों में 11,000 युवाओं द्वारा 1500 गाँव में 3.5 करोड़ पेड़ (फलदार, छायादार और औषधीय) लगाये गये।

✓ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2019 के अवसर पर 21 जून को 35 लाख लोगो को योगाभ्यास कराया गया।

✓ 2016 से प्रतिवर्ष 1,00,000 युवाओं की खेलकूद प्रतियोगिता एवं लघु व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन।

✓ 2010 से 500 आदिवासी बच्चों के लिए गुजरात में सूर्या एकलव्य सैनिक स्कूल का संचालन।

✓ 2018 से हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण के माध्यम से 300 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया।

✓ 18 सिलाई केन्द्र के माध्यम से 400 बहनों को प्रशिक्षित किया गया।

✓ **जैविक कृषि सम्मेलन 2019-20 (एक दिवसीय)**– तीन राज्यों (हरियाणा, मध्य प्रदेश, सिलीगुड़ी–पश्चिम बंगाल) के 2000 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

नगलावर गाँव में हुए विकास कार्य

- गाँव के 18 कार्यकर्ता सूर्या फाउण्डेशन का प्रशिक्षण ले चुके हैं।
- लघु व्यक्तित्व विकास शिविरों के माध्यम से 160 बच्चों को प्रशिक्षण दिया गया है।
- खेलकूद प्रतियोगिता के माध्यम से अब तक 120 युवाओं को खेल से जोड़ा गया है।
- नियमित स्वच्छता अभियान करके गाँव को साफ-सुथरा, सुन्दर बनाया गया।
- गाँव की गलियों में कूड़ेदान लगाए गए हैं।
- गाँव में परिवार के लोगों द्वारा गौ-पूजन एवं राख का प्रयोग।
- दो स्व-सहायता समूह का गठन। सरकार द्वारा प्रोत्साहन राशि भी मिल चुकी है।
- प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र चलाकर 10 महिलाओं को साक्षर किया गया।
- गाँव के मंदिर की पुताई में सेवाभावी का सहयोग।
- सुकन्या समृद्धि योजना के तहत 5 खाते खुलवाए, 5 लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड बनवाया गया।
- सभी घरों मे शौचालय का निर्माण कार्य हुआ, नियमित शौचालय का उपयोग किया जाता है।

आदर्श गाँव के मुख्य आधार स्तंभ

1. **शिक्षा**- गाँवों की साक्षरता 100% सुनिश्चित करना। गाँव में सभी शिक्षित व संस्कारित हो।
2. **स्वास्थ्य**-योग, नैचुरोपैथी यानि प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद से, खान-पान से स्वस्थ बनें।
3. **स्वावलंबन**-स्व-सहायता समूह द्वारा महिलाओं एवं पुरूषों को रोजगार देना।
4. **स्वच्छता**-गाँव, घर साफ-सुथरा हो, घर-घर में शौचालय हो। सभी मिलकर श्रमदान करें।
5. **समरसता**-सभी जाति, वर्ग के लोग मिल-जुलकर रहें, आपसी भाईचारा बढ़े।
6. **सेवा**- नर सेवा-नारायण सेवा। समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव। दूसरों का भला सोचें।
7. **स्कीम**-सरकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक व्यक्ति, परिवार को मिले ऐसा प्रयास करें
8. **स्पोर्ट्स (खेलकूद)**-युवा शक्ति को खेलकूद, व्यायाम के माध्यम से सबल व अनुशासित बनाना।

शिक्षा – सूर्या संस्कार केन्द्र

संतोष कुमार
(शिक्षक)

मैं अपने गाँव नगलावर में सूर्या संस्कार केन्द्र चला रहा हूँ। मैंने सन् 2015 में झिंझौली में TPDC का प्रशिक्षण लिया। इसके बाद अपने गाँव आया और अपने गाँव के बच्चों से सम्पर्क कर केन्द्र प्रारम्भ किया। शुरुआत में केन्द्र पर बच्चे बहुत कम आते थे। मैंने बच्चों के माता-पिता से संपर्क किया। इसी तरह प्रयास करने के बाद आज हमारे संस्कार केन्द्र पर 30 बच्चे पढ़ने आते हैं। बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ देशभक्ति गीत का अभ्यास, संस्कार की बातें, कराटे, डांस, चित्रकला आदि सिखाता हूँ। बच्चों के माध्यम से नशा-मुक्ति रैली, स्वच्छता रैली, प्रभात फेरी जैसे कार्यक्रम कराता हूँ। इन सभी कार्यक्रमों के माध्यम से गाँव में बहुत बदलाव देखने को मिलता है।

मेरे गाँव में सूर्या संस्कार केन्द्र चलता है। मैं संस्कार केन्द्र की मॉनीटर हूँ। मैं अपने संस्कार केन्द्र में रोज पढ़ने के लिए आती हूँ। केन्द्र पर हमको अच्छे संस्कार की बातें बतायी जाती हैं जैसे बड़ों का सम्मान करना, अपने मम्मी-पापा की बात मानना, समय का पालन करना। केन्द्र पर पढ़ाई के साथ साथ खेल भी खेलते हैं जिससे हमारा शरीर स्वस्थ और मन प्रसन्न रहता है। संस्कार केन्द्र दो घण्टे चलता है। मुझे पढ़ाई में इससे बहुत फायदा मिलता है।

रश्मि राठौर (विद्यार्थी)

युवा निर्माण – सूर्या यूथ क्लब

अनिल कुमार
(शिक्षक)

मुझे 2015 में सूर्या साधना स्थली झिंझौली में ट्रेनिंग करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मैंने अपनी ट्रेनिंग को पूरे निष्ठा से पूरा किया। मैंने अपने गाँव में सूर्या यूथ क्लब चलाना शुरु किया। प्रारम्भ में संख्या कम थी लेकिन मैंने हार नहीं मानी एक माह तक ऐसे ही चलता रहा जब मैंने घर-घर जाकर युवाओं से सम्पर्क किया। धीरे-धीरे युवाओं की संख्या बढ़ने लगी। हमनें युवा टीम द्वारा सफाई अभियान चलाया। प्रतिदिन खेल के साथ-साथ ग्राम विकास पर चर्चा करते हैं। सभी लोग भाई चारे के साथ खेलते हैं। ऐसा करने के कारण मेरे व्यक्तिगत जीवन में कई बदलाव आए हैं जिससे मेरी छवि गाँव के लोगों में अच्छी हुई है गाँव में सभी का सम्मान मिलता है और गाँव के बुजुर्गो का सहयोग मिलता है। और हमारा गाँव आदर्श बनने की ओर बढ़ रहा है।

सुनील कुमार
(खिलाड़ी)

मेरे गाँव में 2015 से सूर्या यूथ क्लब चल रहा है। मैं यूथ क्लब से जुड़ा हुआ हूँ। शुरुआत के दिनों में मैं बहुत कम खेल खेलता था, वर्तमान समय में हमारी 20 लोगों की युवा टोली है। केन्द्र के माध्यम से मेरी शारीरिक क्षमता में काफी सुधार आया है। युवाओं में एक नया जोश और उमंग देखने को मिलता है, मेरे गाँव में कोई भी सार्वजनिक कार्यक्रम हो उसमें युवा बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। यूथ क्लब के किसी भी भैया के घर में शादी होती है तो हमारी पूरी टीम इस काम में सहयोग करती है। मैं बहुत खुश हूँ, कि मेरे गाँव को सूर्या फाउण्डेशन द्वारा गोद लिया गया और इतने अच्छे काम हो रहे हैं।

नगलावर गाँव में हो रहे विकास की कुछ झलकियाँ

वृक्षारोपण

किसान गोष्ठी कार्यक्रम

गौ ग्राम कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग

कलश यात्रा

स्वच्छता अभियान

गौ-पूजन कार्यक्रम

सूर्या संस्कार केन्द्र

सूर्या यूथ क्लब पर युवाओं के साथ ग्राम विकास चर्चा करते हुए

महिला स्वयं सहायता समूह

महिला सशक्तिकरण –
सूर्या सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र

ममता देवी
(शिक्षिका)

मैं अक्टूबर 2018 से सूर्या फाउण्डेशन से जुड़ी, शुरुआत के समय मेरे केन्द्र पर मात्र पाँच बहनें ही सिलाई सीखने आया करती थीं। धीरे-धीरे संख्या बढ़ती गयी। वर्तमान समय में सिलाई सेंटर पर 12 बहनें सिलाई सीखने आती हैं। सिलाई केंन्द्र के माध्यम से अपने गाँव में भजन-कीर्तन, रंगोली प्रतियोगिता, स्वच्छता अभियान अनेक कार्यक्रम करते हैं। सिलाई केन्द्र में आने वाली तीन बहनों ने सिलाई सीख कर स्वरोजगार की शुरुआत की है। इससे गाँव की महिलायें जागरुक हो रही हैं। इस कारण मेरे गाँव में एक अच्छा माहौल है और मेरा गाँव आगे बढ़ रहा है मैं सूर्या फाउण्डेशन को इस पुण्य काम के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूँ।

राधा (शिक्षार्थी)

सिलाई केन्द्र पर ममता दीदी कपड़े सिलना सिखाती हैं। मैं प्रतिदिन 2 घंटे सिलाई सीखने आती हूँ। सिलाई में ब्लाउज, पेटीकोट, थैला आदि बनाना सीखा है। हम सब बहनें मिलकर केन्द्र पर रंगोली प्रतियोगिता, मेहंदी प्रतियोगिता, गृहसज्जा प्रतियोगिता करती हैं। सिलाई के साथ-साथ गाँव में बहुत ही अच्छा काम फाउण्डेशन के माध्यम से किया जा रहा है इसके लिए मैं सूर्या फाउण्डेशन की आभारी हूँ।

स्वयं सहायता समूह व सेवाभावी अनुभव

गाँव में स्वावलंबन और महिला सशक्तीकरण हेतु स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया है। जिससे गाँव में स्वरोजगार बढ़े और महिलाएँ स्वावलंबी बनें। साथ ही गाँव के प्रतिष्ठित, सम्मानित व सेवा कार्यों में रुचि रखने वाले लोगों को सूर्या फाउण्डेशन द्वारा प्रशिक्षित कर उन्हें गावों में संचालित गतिविधियों की जिम्मेदारी देते हैं। वे गार्जियन के रूप में अपनी भूमिका निभाते हैं। और जैविक खेती करते हैं। ऐसे ही कुछ सदस्यों के अनुभव कथन...

मैं अहिल्याबाई स्वयं सहायता समूह की सदस्य हूँ। मेरे समूह के निर्माण में सूर्या फाउण्डेशन का बहुत बड़ा योगदान है सूर्या फाउण्डेशन के भैया ने समूह से होने वाले फायदे के बारे में हम लोगों को बताया और समूह का गठन कराया हम लोग प्रत्येक माह बैठक करते हैं और उसमें बचत राशि जमा करते हैं। इस बचत के माध्यम से हम लोग **एक दूसरे की आर्थिक मदद भी करते हैं। हमें कर्ज लेने के लिए बाहर नहीं जाना पड़ता है।** समूह से जुड़ने के बाद मैंने स्वयं की एक कपड़े की दुकान खोली है, दुकान से होने वाले बचत से मेरा पूरा परिवार बहुत खुशी पूर्वक जीवन यापन कर रहा है। यह सभी स्वयं सहायता समूह और फाउण्डेशन की सहायता से हुआ है। हमारे जीवन में एक नया सवेरा लेकर आया।

सुनीता देवी
सदस्य (SHG)

कुंवर सिंह
(सेवाभावी)

एक ऐसी संस्था जो भारत के अनेक ग्रामों में ग्राम विकास के लिए एवं सरकार द्वारा चलाई जा रही अनेक योजनाओं को घर-घर तक पहुँचाने का काम कर रही है। मुझे भी सूर्या फाउण्डेशन द्वारा सेवाभावी कैम्प में जाने का अवसर मिला। हमारे गाँव नगलावर को आदर्श ग्राम बनाने के लिए सूर्या फाउण्डेशन द्वारा चयन किया है। बच्चो को संस्कार देना, खेल के माध्यम से युवाओं को जोड़ना, स्वच्छता अभियान चलाना, समय के साथ चलना, गाँव को विकास की ओर ले जाना। इस प्रकार यह संस्था समाज की दिशा एवं दशा दोनों को बनाए रखने के लिए अपना योगदान दे रही है।

आदर्श गाँव की ओर बढ़ता मथुरा का नगलावर गाँव

पप्पू कुमार
सेवा कार्यकर्ता
नगलावर

भगवान श्रीकृष्ण की लीला भूमि ब्रज के हृदयस्थली वृन्दावन से महज 35 किलोमीटर दूर राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे बसा नगला चंद्रभान, जो कि प्रणेता स्रोत पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जी की जन्म स्थली है। इसी के पड़ोस में एक छोटा सा गाँव नगलावर जो कि अपने आस-पास गाँव के लिए रोल-मॉडल बन कर उभर रहा है। पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जी की प्रेरणा से सूर्या फाउण्डेशन नें गाँव में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वाबलंबन, समरसता एवं स्वच्छता से परिपूर्ण बनाने का संकल्प लिया है। गाँव में कुल 76 परिवार हैं।

गाँव में शिक्षा और संस्कार के प्रति जागरूकता के लिये **'सूर्या संस्कार केंद्र'** और **'सूर्या यूथ क्लब'** चलाया जा रहा है। गाँव में चल-पुस्तकालय की शुरुआत की गई है। जिसमें दीनदयाल उपाध्याय जी द्वारा रचित साहित्य, देशभक्ति एवं धार्मिक कहानियाँ आदि समाज उपयोगी पुस्तकें उपलब्ध हैं। गाँव में प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र के माध्यम से निरक्षर लोगों को साक्षर करने का काम भी किया जा रहा है। मातृशक्ति को स्वावलंबी बनाने हेतु दो स्व-सहायता समूह का निर्माण किया गया है। साथ ही सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र चलाया जाता है, प्रशिक्षण केन्द्र में आने वाली माताएँ-बहनें आने वाले समय में स्वयं पर आत्मनिर्भर एवं स्वरोजगार प्राप्त करेंगी। मन्दिर पर गाँव के लोगों द्वारा प्रतिदिन शाम को आरती, भजन-कीर्तन किया जाता है। जिससे गाँव में भक्ति का वातावरण निर्माण हो रहा है।

सूर्या फाउण्डेशन के माध्यम से गाँव में कूड़ेदान की व्यवस्था की गई है। जिसका सभी ग्रामवासी उपयोग करते हैं। घर और आस-पास के कूड़े को इधर-उधर ना फेंककर कूड़ेदान मे ही डालते हैं। स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर दीनदयाल धाम में प्रत्येक माह के अन्तिम दिन नेत्र-चिकित्सा शिविर का आयोजन और प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है। इसका पूरा लाभ ग्रामवासियों को मिलता है। सरकार से मिलने वाली सरकारी योजनाओं का लाभ और मिलने वाले बजट का सदुपयोग विकास कार्य में किया जा रहा है। जैसे- सोलर लाइट, पक्की सड़क, नाली निर्माण, हैण्डपम्प आदि। **गाँव की सबसे अच्छी बात ये है कि गाँव पूरी तरह से नशामुक्त है।**

गौ-ग्राम और नगलावर

कृष्ण गोपाल
फील्ड सेवा प्रमुख
दीनदयाल धाम

आज के समय में खेती करना महंगा हो गया है क्योंकि हम अपनी जैविक पद्धति को छोड़कर प्रयोग कर रहे हैं- रासायनिक खाद, रासायनिक जहर। जिसके कारण खेती भी महंगी हुई है, और मानव जीवन पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। खेती बंजर होती जा रही है। गाँव के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए सूर्या फाउण्डेशन द्वारा गौ आधारित ग्राम विकास का कार्य नगलावर में प्रारम्भ किया गया, इस छोटे से गाँव में 22 देशी गोवंश है। 10 परिवार सप्ताह में एक बार गौ पूजन करते हैं। गाँव में महिलाओं के 2 स्वयं सहायता समूह हैं, स्वयं सहायता समूह की महिलाएँ फिनायल, मंजन, धूपबत्ती बनाने का प्रशिक्षण ले चुकी हैं महिलाएँ स्वावलंबी बने और अपने घर का खर्च स्वयं निर्वहन करें इस दिशा में काम प्रारम्भ हुआ है।

अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए 12 लोग प्रतिदिन गोमूत्र अर्क का सेवन करते हैं, प्रतिदिन दो परिवारों में अग्निहोत्र किया जाता है, गाँव में किसानों का एक समूह है, किसान समूह की साप्ताहिक बैठक होती है, किसानों ने रासायनिक खाद रासायनिक जहर को अपने खेतों में प्रयोग करना बंद कर दिया है। अपने जीवन में गौमाता को नहीं अपनाया तो निश्चित ही हमारे स्वास्थ्य, पर हमारी कृषि के स्वास्थ्य पर, हमारे गाँव पर बुरा प्रभाव पड़ेगा, और इसका खामियाजा हमें भविष्य में भुगतना पड़ेगा इसीलिए धरती पर गौ-माता ईश्वर का वरदान है हमारे लिए गौ-माता चलता फिरता चिकित्सालय है।

सेवा कार्यों मे लगे कार्यकर्ता

क्रम	नाम	कैडर	मोबाइल
1	पुरुषोत्तम	क्षेत्र प्रमुख	9756778555
2.	पप्पू कुमार	पूर्ण कालिक कार्यकर्ता	8709647183
3	संतोष कुमार	सूर्या संस्कार केन्द्र शिक्षक	8941865662
4	अनिल कुमार	सूर्या यूथ क्लब शिक्षक	7830061790
5	ममता देवी	सूर्या सिलाई केन्द्र शिक्षिका	8954515160
6	प्रहलाद	सेवाभावी	9070988692
7	केमल शर्मा	सेवाभावी	7453062871
8	गगन शर्मा	सेवाभावी	7500158994
9	विष्णु कुमार	सहायक शिक्षक	8192044807
10	रवि कुमार	सहायक शिक्षक	8923291326
11	पवन कुमार	सहायक शिक्षक	9719466840

समाचार पत्रों में नगलावर की झलकियाँ...

किसान गोष्ठी में बताये जैविक खेती के उपयोग

मथुरा, (राजपथ मथुरा ब्यूरो)। सूर्या फाउंडेशन द्वारा गांव नगला वर में किसान गोष्ठी कार्यक्रम हुआ जिसमें भारतीय किसान संघ के जिलाध्यक्ष पारस ठाकुर ने किसानों को यूरिया से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में बताते हुए कहा कि हमें यूरिया को छोड़कर पुनः अपने प्राचीन खेती की ओर लौटना पड़ेगा। आल इंडिया चीफ आदर्श गांव योजना सूर्या फाउंडेशन प्रमोद आसरे ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हम अभी नहीं जागे तो इसका परिणाम हमें भविष्य में व आने वाली पीढ़ी को भुगतना पड़ेगा आज कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी भी इसी यूरिया और जहरीले रसायनों की ही देन है, हमें यथाशीघ्र ऐसे खतरनाक रसायनों को छोड़कर अपनी प्राचीन खेती, जैविक खेती को प्रयोग करना चाहिए।

सेवा प्रमुख निरंजन लाल ने किसान बंधुओं को जल बचाओ, पर्यावरण बचाओ, बेटी बचाओ जैसे विषयों पर अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वरूपजी ने संचालन कृष्ण गोपाल ने धन्यवाद ज्ञापन नवाब सिंह ने किया। इस मौके पर जगदीश ठाकुर, अनिल, संतोष, ईश्वरी, भगवती, सुनील, सत्यप्रकाश, राजकुमार, ललित कुमार, पदम् सिंह, महेंद्र, विजेंद्र, सीताराम, सुनहरी, ओमप्रकाश आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

नगलावर में निकाली नशा मुक्ति रैली

फरह (मथुरा)। सूर्या फाउंडेशन द्वारा संचालित आदर्श गांव योजना के तहत चयनित आदर्श गांव नगला वर में नशा मुक्ति रैली का आयोजन किया गया। जिसमें गांव के बच्चों ने रैली निकालकर नशा छोड़ने का संदेश दिया व लोगों से नशा ना करने का आग्रह भी किया।

बच्चों ने नशा छोड़ो घर को जोड़ो, शराब जहर है, दारू पीकर जाओगे घर नहीं पहुंच पाओगे, नशा की छोड़ो रीत सभी, खुशी के गाओ गीत सभी, का नारा देते हुए पूरे गांव में रैली निकाली। रैली के पश्चात ब्रज क्षेत्र के प्रमुख विकास ने बच्चों को नशा के दुष्प्रभाव के बारे में बताते हुए कहा कि नशा करने से व्यक्ति शारीरिक व मानशिक ही नही वरन आर्थिक रूप से भी कमजोर होने लगता है। जिससे उसके घर में झगड़ा होता है और झगड़े के कारण घर में शांति नहीं रह पाती है। उन्होंने लोगों से नशा ना करने का आग्रह भी किया। इस दौरान ग्राम प्रमुख पप्पू बिहारी,कृष्ण गोपाल, संतोष, अनिल, रामप्रकाश, गगन, मनोज आदि उपस्थित रहे।

प्राकृतिक चिकित्सा से दी स्वास्थ्य की जानकारी

फरह। नगलावर में सूर्या फाउंडेशन के तत्वावधान में स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। इसमें दीनदयाल आयुर्वेदिक अस्पताल के चिकित्सक ने ग्रामीणों को स्वस्थ्य रहने के गुर बताए। डॉ.मदनपाल ने ग्रामीणों को बताया कि स्वस्थ्य रहने को हम खुद जिम्मेदार हैं। संस्था के जोन प्रमुख भरतराज ने कहा कि हमें अपने खानपान पर भी ध्यान देना होगा। इस दौरान अजय, खरसन, पप्पू, बिहारी, पुरुषोत्तम, हुकम सिंह, ईश्वरी, गगन, कोमल शर्मा, संतोष, अनिल, अवधेश मौजूद रहे।

खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न

मथुरा। सूर्या फाउंडेशन द्वारा आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता का समापन समारोह दीनदयाल धाम के समीप स्थित गांव नगला वर में किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन मां भारती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया, तदोपरांत गांव के लोगों द्वारा अतिथियों का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि नगर पंचायत फरह के अध्यक्ष कृष्णकान्त पचौरी रहे। वरिष्ठ प्रचारक शैलेन्द्र ने मुख्य वक्ता की भूमिका अदा की। कार्यक्रम के अध्यक्ष स्वरूप सिंह रहे, इस कार्यक्रम में भैया बहिनों द्वारा बड़े ही मनमोहक के कार्यक्रम प्रस्तुत किये। बच्चों द्वारा सांस्कृतिक ,बौद्धिक,शारीरिक कार्यक्रम और देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम जैसे देश रंगीला,ऐसा देश है मेरा,कृष्ण लीला,योगासन,पीटी आदि से सभी का मन मोह लिया। इस बीच मुख्यवक्ता शैलेन्द्र ने कहा कि बच्चे भारत का भविष्य हैं और इनको आदर्श,देशभक्त बनाने की जिम्मेदारी इनके गुरुजनों के साथ इनके माता पिता की भी है और प्रत्येक अभिवावक को जागरूक होना पड़ेगा तभी हम अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दे पाएंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृष्णकान्त पचौरी ने कहा कि युवाओं को चाहिए कि वो अपने पढ़ाई के साथ-साथ खेल को भी महत्व दें। इसी से मोदी का सपना खेलो इण्डिया का सपना साकार होगा। कार्यक्रम का संचालन कृष्ण गोपाल ने किया। इस कार्यक्रम में विजय सिंह, पीतम सिंह, राम पाठक, विकास,पप्पू बिहारी, कुलदीप पाठक, राजकुमार, बनवारी, रामप्रकाश, पवन,दुष्यन्त और गांव के सैकड़ों ग्रामवासी उपस्थित रहे।

वृक्ष जीवन में बहुत उपयोगी: पदम

सूर्या फाउंडेशन ने किया वृक्षारोपण

फरह, (राजपथ ब्यूरो/अनुज सिंघल)। सूर्या फाउंडेशन द्वारा आदर्श ग्राम योजना के तहत वृक्षारोपण का कार्यक्रम दीनदयाल धाम में किया गया। जिसमें क्षेत्र प्रचार प्रमुख पदम ने वृक्ष लगाकर इस कार्यक्रम की शुरुआत की।

प्रचार प्रमुख ने बताया वृक्ष हमारे जीवन के साथी हैं। इनसे हमें प्राण वायु प्राप्त होती है। इसी के साथ जो आज समस्या हमारे देश में पर्यावरण असंतुलन की है। पर्यावरण का संतुलन करने में वृक्षों का बहुत बड़ा योगदान है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने चाहिए। जिससे जो ग्लोबल वार्मिंग का खतरा आ रहा है, उसे रोका जा सके। इस मौके पर सूर्या फाउंडेशन ब्रज क्षेत्र के प्रमुख गिरीश ने बताया सूर्या फाउंडेशन द्वारा गांव-गांव में वृक्षारोपण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। उन्होंने सभी से वृक्ष लगाने का आह्वान किया। इस मौके पर गोपीनाथ, राम पाठक, गोवर्धन क्षेत्र के विधायक प्रतिनिधि जीतेन्द्र, मनोज, सत्य प्रकाश, कृष्ण गोपाल, संजय पारस, श्याम, मदन, गोपाल, गौरव, राजकुमार आदि उपस्थित रहे।

सूर्या फाउंडेशन द्वारा आयोजित आदर्श गांव योजना के तहत खेलकूद प्रतियोगिता का समापन

खेल से युवाओं में आता है अनुशासनः सोनपाल

खिलाड़ियों को मैडल-प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

मथुरा, (राजपथ मथुरा ब्यूरो/अनुज सिंघल)। सूर्या फाउंडेशन द्वारा आयोजित आदर्श गांव योजना के तहत खेलकूद प्रतियोगिता का समापन समारोह शाहपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय में हुआ जिसमें सोनपाल सिंह निदेशक दीनदयाल धाम, भरतराज ओझा सूर्या फाउंडेशन, पारस ठाकुर जिलाध्यक्ष भारतीय किसान संघ, सतीश पचौरी, लाखन सिंह ग्राम प्रधान, पुरुषोत्तम राणा बतौर अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरदम सिंह ने की। कार्यक्रम में संस्कार केन्द्र की बहिनों के द्वारा कृष्ण लीला व देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा भारत माता के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर गई। बतौर मुख्य अतिथि सोनपाल ने बताया कि खेल के माध्यम से युवाओं के अंदर अनुशासन, टीम वर्क, समय पालन जैसे संस्कार आने लगते हैं। उन्होंने बहिनों के द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि छोटे छोटे भैया बहिन ऐसे कार्यक्रम करते हैं तो उनके अंदर जो भय छुपा रहता है वो निकलता है। बतौर विशिष्ट अतिथि भरतराज ओझा ने कहा कि ऐसे खेलकूद प्रतियोगिताओं के माध्यम से गांव में छुपी प्रतिभाएं बाहर निकलती हैं और अपने गांव का नाम रोशन करती हैं। इस मौके पर खिलाड़ियों को मैडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, वॉलीबॉल प्रतियोगिता में शाहपुर, क्रिकेट में नगला जौहरी, कबड्डी में पीपरी विजयी रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन कृष्ण गोपाल ने किया। इस मौके पर राम तस्कर, भागवत स्वरूप, राजकुमार, पप्पू, पवन, रमनलाल, योगेंद्र, जीतपाल, शंकर, सोमेश तिवारी, योगेश राघव, गौतम, ममता राघव के साथ सैकड़ों ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बच्चों के व्यक्तित्व विकास पर जोर

फरह : सूर्या फाउंडेशन द्वारा आयोजित सात दिवसीय व्यक्तित्व विकास शिविर का समापन गुरुवार को नगला वर विशू में हुआ। इसमें नगला चंद्रभान के करीब 250 प्रतिभागियों ने भाग लिया। ये शिविर पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म शताब्दी वर्ष और डॉ. भीमराव अंबेडकर की 150वीं जयंती पर पूरे देश में आयोजित किए जा रहे हैं। यहां शिविर के माध्यम से बच्चों में शिक्षा, संस्कार, समरसता और स्वाभिमान पर जोर दिया गया। बच्चों को योग, सूर्य नमस्कार, ध्यान के साथ बौद्धिक प्रशिक्षण दिया गया। समापन समारोह में स्मारक समिति के मंत्री डॉ. रोशन लाल, पूर्व विधायक अजय पाईया, डॉ. रमेशपाल, डॉ. डीके शर्मा, विसू प्रधान धर्म सिंह उपस्थित रहे। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। संचालन कृष्ण गोपाल ने किया। इस दौरान कुंवर सिंह, संतोष स्वरूप, सीताराम, पूरन, खमान, निरंजन लाल, महेंद्र, पदम सिंह आदि मौजूद थे।